Round table conference on draft New Education Policy – July 19, 2019

MORNING INDIA
www.sanmarglive.com
03 Ranchi, Saturday
20 July 2019

Round table conference on draft New Education Policy held at ICFAI Univ

RANCHI: A round table conference on draft New Education Policy (NEP) was held at ICFAI University, Jharkhand, wherein besides faculty members of the University, eminent academicians like Dr. G L Datta, Former Dean, IIT-Kharagpur and Former Chancellor K L University, Dr. Manoj Mishra , Associate Professor, Chanakya National Law University , Dr Satyendra Kishore, Former ED, Indian Institute of Coal Management , Dr. Dipankar Dey, Former Dean IBS Kolkata , participated in the discussion. Welcoming the participants to the discussion, Prof O R S Rao, Vice-Chancellor of the University briefed them on the highlights of the policy and said, "This is a comprehensive policy , covering the entire gamut of the education in the country and will have profound impact on improving the access and quality of education , which is critical to achieve the Prime Minister's goal of achieving $5 trillion economy in the next 5 years".

रांची, शनिवार
20.07.2019 | प्रभात खबर | 03

इक्फाइ विवि में नयी शिक्षा नीति पर बैठक

रांची. इक्फाइ विवि में नयी शिक्षा नीति (एनइपी) पर चर्चा के लिए गोलमेज बैठक हुई. इस मौके पर विवि के कुलपति प्रो ओआरएस राव ने शिक्षा नीति के मुख्य अंशों पर जानकारी दी. नेशनल रिसर्च फाउंडेशन की स्थापना, शिक्षा में प्रौद्योगिकी की तैनाती व उदार शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करने की चर्चा की गयी. सरकार द्वारा उद्योग को प्रोत्साहन देने के उपाय की भी सराहना की गयी. बैठक में डॉ जीएल दत्ता, डॉ मनोज मिश्र, डॉ सत्येंद्र किशोर, डॉ दिपांकर डे आदि उपस्थित थे. धन्यवाद ज्ञापन रजिस्ट्रार डॉ बीएम सिंह ने किया.

मेट्रो Rays | 2 रांची, शनिवार, 20 जुलाई 2019

इक्फाई विवि में नई शिक्षा नीति के मसौदे पर सम्मेलन

संवाददाता

रांची : नयी शिक्षा नीति,एनईपी पर एक गोलमेज सम्मेलन इक्फाई विश्वविद्यालय, रांची में आयोजित किया गया। जिसमें विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों के अलावा डॉ जीएल दत्ता, पूर्व डीनए आईआईटी खड़गपुर और पूर्व कुलपति केएल विश्वविद्यालय, डॉ मनोज मिश्रा, एसोसिएट प्रोफेसर, चाणक्य नेशनल लॉ यूनिवर्सिटीए डॉ सत्येंद्र किशोर, पूर्व ईडीए भारतीय कोयला प्रबंधन संस्थान एवं डॉ दीपांकर डे, पूर्व डीन आईबीएस कोलकाता ने चर्चा में भाग लिया।

चर्चा के प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो ओआरएस राव ने उन्हें नीति के मुख्य अंशों पर जानकारी दी और कहा कि यह एक व्यापक नीति है, जो देश में शिक्षा के संपूर्ण प्रणाली को कवर करती है और इसका गहरा प्रभाव शिक्षा की पहुंच और गुणवत्ता में सुधार पर पड़ेगा। जो अगले 5 वर्षों में प्रधान मंत्री के $ 5 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था को प्राप्त करने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण है । प्रतिभागियों ने नीति के कई सकारात्मक पहलुओं की सराहना की, जैसे अनुसंधान और सुविधा नियमों को बढ़ावा देने के लिए नेशनल रिसर्च फाउंडेशन की स्थापना, शिक्षा में प्रौद्योगिकी की तैनाती एवं उदार शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करना आदि। इस परिचर्चा में कई सुझाव आए, जिनमें छात्रों द्वारा अधिक महत्वपूर्ण सोच को सुविधाजनक बनाना, छात्रों को इंटर्नशिप प्रदान करने के लिए सरकार द्वारा उद्योग को प्रोत्साहन देने के उपाय आदि शामिल हैं।

इस सम्मेलन में यह भी सुझाव दिया गया कि एनएचआरडीए उद्योग मंत्रालय, शिक्षाविदों और उद्योग के समिति सदस्यों के साथ एक केंद्रीय विशेषज्ञ की समीक्षा निकाय को गठित किया जाए जो निरंतर आधार पर विभिन्न क्षेत्रों में नए स्नातकों के लिए नए रोजगार के अवसर, शिक्षण संस्थानों को नए कार्यक्रमों की शुरुआत करने और पाठ्यक्रम में बदलाव के जरिए उन्हें पूरा करने के लिए कार्य किया जाना चाहिए। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ बीएम सिंह ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया।

शनिवार, 20 जुलाई 2019

हिन्दुस्तान

इक्फाई विवि में सम्मेलन हुआ

रांची। इक्फाई विश्वविद्यालय में नई शिक्षा नीति पर शुक्रवार को सम्मेलन हुआ। इसमें आईआईटी खड़गपुर के पूर्व डीन व केएल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ जीएल दत्ता, चाणक्य लॉ यूनिवर्सिटी के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ मनोज मिश्रा, भारतीय कोयला प्रबंधन संस्थान के पूर्व ईडी डॉ सत्येंद्र किशोर, व पूर्व डीन आईबीएस कोलकाता दीपांकर डे ने भाग लिया।

कुलपति प्रो ओआरएस राव ने कहा यह व्यापक नीति है, जो देश में शिक्षा के संपूर्ण प्रणाली को प्रभावित करती है और इसका गहरा प्रभाव शिक्षा की पहुंच व गुणवत्ता में सुधार पर पड़ेगा। मनोवैज्ञानिक परामर्श के माध्यम से चरित्र विकास पर ध्यान देने पर जोर दिया गया। (प्रसं)

सन्मार्ग

रांची, शनिवार, 20 जुलाई 2019

www.sanmarglive.com

नई शिक्षा नीति अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण : राव